अमूल ब्रांड की 30 हजार किलो एक्सपायरी सामग्री नष्ट करवाई

जयपुर । सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम द्वारा खो नागोरियान में मैसर्स एथलीट डिस्ट्रीब्यूटर पर की गई कार्यवाही में सीज किया गया अमूल ब्रांड के एक्सपायरी नूडल्स, केच अप, म्योनीज एवं सॉस को नष्ट करवाने की कार्यवाही की गई। सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि फर्म मालिक गगन आहूजा ने नगर निगम द्वारा जारी नष्टीकरण की स्वीकृति आदेश पेश किए गए। जिस पर शनिवार टीम को भेज कर छह ट्रकों में अवधिपार सामग्री को भरकर मथुरादास कचरागाह ले जाकर नष्ट करवाया गया। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि ने भी मौके पर पहुंचकर अवधिपार माल की तस्दीक कर अमूल ब्रांड का होना सत्यापित किया। गौरतलब है कि टीम द्वारा पिछले दिनों 181 पोर्टल पर प्राप्त शिकायत पर कार्यवाही में अमूल ब्रांड की लगभग 30 हजार किलो एक्सपायरी खाद्य सामग्री पकडी थी। जिसमें अमूल ब्रांड के अलग अलग पैकिंग के सॉसेज,म्योनीज,एनर्जी ड्रिंक,केच अप आदि के पैकेट्स जो अवधिपार हो गए थे उनकी डेट मिटाकर नई डेट प्रिंट करने की तैयारी थी। टीम ने गोदाम को सील कर दिया था । जिसे खुलवाकर नष्टीकरण की कार्यवाही की गई। टीम द्वारा गोदाम का निरीक्षण किया गया। जिसमें अवधिपार सामग्री की मात्रा और भी अधिक पाई गई । जिसे उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार सोमवार को नष्ट किया जाएगा। तब तक के लिए गोदाम को पुनः सील कर दिया गया है। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान, राजेश नागर, नंद किशोर कुमावत,अवधेश गुप्ता एवं राजेश नागर शामिल रहे।

डॉ. लीलाधर का एकल कविता पाठ

जयपुर । जनसम्पर्क मित्र की और से शनिवार को यहाँ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में कवि डॉ. लीलाधर दोचानिया का एकल काव्य पाठ आयोजित किया गया। उन्होंने अपने नव प्रकाशित कविता संग्रह जिंदगी मुस्कुराती रहे में से अपनी चुनिंदा कविताओं का वाचन किया। मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत उनकी कविताएं सराही गई। इस अवसर पर ईश्वर माथुर, बाल मुकुंद ओझा, अलका सक्सेना, वीना करमचंदानी, रेणु जुनेजा, रवि गोस्वामी, गोविन्द शर्मा और राजेंद्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

एसकेआईटी कॉलेज में वार्षिकोत्सव संपन्न

जयपुर। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का छह दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव प्रवाह, कॉलेज के वार्षिक समारोह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता मेटाक्यूब सॉफ्टवेयर के सह-संस्थापक पारिजात अग्रवाल ने की और इन्फोसिस लिमिटेड के ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर मनन गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात संस्थान के अध्यक्ष सुरजा राम मील, निदेशक जयपाल मील और निदेशक (अकादमिक) प्रो. एस.एल. सुराणा ने अतिथियों का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और कहा कामयाबी की परिभाषा केवल सफलता मिलना नहीं होता, विनम्रता के साथ जीवन जीना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर कॉलेज के रजिस्ट्रार रचना मील, प्राचार्य-प्रो. रमेश कुमार पचार, वाईसचेयरमैन अनिल बाफना, डीन डॉ आर के जैन समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित हुए। प्रो. सुराणा ने संस्थान की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिसमें इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने नृत्य, नाटक एवं गायन की शानदार प्रस्तुतियां से पूरे माहौल को कल्चरल एक्टिविटीज के रंग में सराबोर कर दिया। सांस्कृतिक संध्या में नवरस की थीम पर आधारित नृत्य शिव तांडव, ऑपरेशन सिंदूर और नाटकों की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें श्रृंगार, करुणा, वीर, हास्य, वीभत्स, अद्भुत, भयानक, रौद्र और शांत रस का प्रदर्शन किया गया।

नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयपुर । दर्शक संस्था द्वारा आयोजित 36वीं महेंद्र भट्ट स्मृति अखिल भारतीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता के तीसरे दिन उपशास्त्रीय नृत्य, बॉलीवुड नृत्य एवं लोक नृत्य की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जो भारतीय बैले शैली के जनक उदय शंकर को समर्पित रहीं। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने भाव-भंगिमाओं, लयात्मक गतियों और मंचीय अनुशासन के साथ मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों एवं निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी दिन दोपहर 2 बजे से वरिष्ठ वर्ग की गायन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने शास्त्रीय एवं सुगम गायन की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से सुर-साधना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

सरकार के 2 साल के कामकाज पर चर्चा के बजाय कांग्रेस का सदन में हंगामा व वॉकआऊट

विपक्ष की नारेबाजी और विरोध के कारण स्पीकर को पांच बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी

■ **नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष के किसी विधायक ने चर्चा में हिस्सा नहीं लिया, मुख्यमंत्री ने जवाब देते हुए कांग्रेस को घेरा तो 20 मिनट में ही सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करके बाहर चले गए**

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में शनिवार को सरकार के दो साल के कामकाज के प्रतिवेदन पर चर्चा के बजाय विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष ने "दो साल बनाम पांच साल" पर बहस कराने की मांग की, जबकि सत्ता पक्ष केवल 2 साल के प्रतिवेदन पर चर्चा कराने पर अडा रहा। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विवाद इतना बढ़ा कि कांग्रेस विधायक वैल में आ गए और नारेबाजी करने लगे। देखते हुए देखते हंगामा और विवाद इतना बढ़ा कि स्पीकर वासुदेव देवनानी को सदन की कार्यवाही 5 बार स्थगित करनी पड़ गई। नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष से किसी विधायक ने सदन में चर्चा नहीं की, जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जवाब देते हुए कांग्रेस को घेरा तो विपक्षी विधायक करीब 20 मिनट में ही सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करके बाहर चले गए।

दरअसल शनिवार को संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा में सरकार के 2 साल के कार्यकाल के प्रतिवेदन पर चर्चा का प्रस्ताव रखा। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आपत्ति जताते हुए कहा कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) में "पांच साल बनाम दो साल" पर बहस कराने का निर्णय हुआ था। केवल 2 साल के प्रतिवेदन पर चर्चा करना तय व्यवस्था के खिलाफ है। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल और सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने विपक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने गत 5 फरवरी को मुख्यमंत्री के सदन में बयान का हवाला देते हुए कहा कि बहस "2 साल बनाम 5 साल" पर चर्चा करवाने की सीएम ने घोषणा की थी। यहां इस प्रस्ताव से मुख्यमंत्री की बेइज्ज्जती हो रही है। जब मुख्यमंत्री की बात की ही वैल्यू नहीं है तो फिर हमारा क्या मतलब है? डोटासरा के इस बयान के कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लंबी नोकझोंक हुई। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल पटेल और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा के बीच नोकझोंक होने के बाद भारी हंगामा हुआ। इसी बीच कांग्रेस विधायकों ने वैल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी।हंगामे के बीच कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने एक-दूसरे पर बहस से भागने का आरोप लगाया।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार के मंत्री बहस से भागकर इसका इल्जाम हम पर डालना चाहते हैं। बहस करें तो "5 साल बनाम 2 साल" का प्रस्ताव रखिए, केवल 2 साल का ही प्रस्ताव क्यों रखा? हंगामे के बीच मंत्री अविनाश गहलोत और जवाहर बेढम ने कहा कि कांग्रेसी कायर हैं, ये बहस से भागना चाहते हैं। इस दौरान कांग्रेस विधायक वेल में नारेबाजी करते रहे। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हंगामे के बीच 3 बजकर 27 मिनट पर सदन की कार्यवाही को आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया।

इसके बाद सदन की कार्यवाई दोबारा आधे घंटे के लिए 4 बजकर 37 मिनट तक स्थगित कर दी गई। इसके बाद कार्यवाही तीसरी बार 5 बजे तक के लिए स्थगित की गई। शाम 5 बजे कार्यवाही शुरू होने पर भी हंगामा जारी रहा। इस दौरान स्पीकर ने भाजपा विधायक अतुल भंसाली का नाम बहस के लिए पुकारा, लेकिन शोरगुल के बीच 9 मिनट बाद ही सदन को 5:45 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। तत्पश्चात 5:45 बजे सदन की कार्यवाही फिर से शुरु होने पर विपक्ष का हंगामा नहीं रुका तो विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही पांचवीं बार 6 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद जैसे ही पुनः सदन की कार्यवाही शुरू हुई और कांग्रेस का हंगामा बरकरार रहा तो स्पीकर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नाम चर्चा के लिए पुकारा। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस के कार्यकाल पर जमकर कटाक्ष करते हुए उनके कार्यकाल को जीरो बताया। उन्होंने यहां तक कहा कि, कांग्रेस के पास कोई जवाब नहीं है, अगर इस चर्चा में पूर्व मुख्यमंत्री भाग लेने आते तो बात बनती। परंतु कांग्रेस ने कुछ काम किया ही नहीं तो चर्चा किस पर करें। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि विपक्ष के लोगों ने हमें चुनौती दी थी, उस चुनौती को हमने स्वीकार किया। उसी के तहत सदन में प्रस्ताव लाया गया। कांग्रेस का तो कॉलम ही खाली है। हमने दो साल के कार्यकाल में ही संकल्प पत्र 2023 के कुल 352 बिंदुओं में 285 बिंदुओं की क्रियान्वित कर ली है। पूर्व सीएम मैदान में आकर बहस करते तो पता लगता कि पांच साल बनाम दो साल क्या होते है।

सीएम ने कहा कि, कांग्रेस राज के काम जीरो है, ये बहस क्या करेंगे, इनके राज के कामों के कॉलम खाली हैं। अगर ये काम करते तो देश में से ऐसे नहीं सिमट जाते। जिस तरह से इन्होंने काम किया है। इन्होंने केवल भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के लिए कुछ नहीं किया। इसी बीच कांग्रेस विधायकों ने मुख्यमंत्री के जवाब के बीच में ही 20 मिनट तक हंगामा करने के बाद सदन का बहिष्कार करके बाहर चले गए।

वाजपेयी पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का विमोचन

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का विमोचन शनिवार को नई दिल्ली में हुआ।

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय संस्कृति के शिखर राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने कहा कि मैं वह अत्यंत सौभाग्यशाली हूं कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को निकट से देखने और उनके साथ समय बिताने का अवसर प्राप्त हुआ। अटलजी भारतीय राजनीति के ऐसे युगपुरुष थे, जिन्होंने अपने विचारों, आचरण और कार्यों से लोकतंत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का विमोचन शनिवार को नई दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ में हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. आशिम कुमार घोष तथा प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ डॉ. एम. एम. जोशी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल प्रो. आशिम कुमार घोष एवं डॉ. एम. एम. जोशी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उल्लेखनीय है कि यह कॉफी टेबल बुक अटल बिहारी वाजपेयी के सार्वजनिक जीवन, सुशासन, कूटनीतिक दृष्टि एवं साहित्यिक व्यक्तित्व को चित्रों एवं दुर्लभ दस्तावेजों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत सिद्ध होगी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से महिला की मौत

जयपुर। हरमाड़ा इलाके में शनिवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सड़क किनारे खड़े महिला और उसके भतीजे को टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली एक बाइक, पतासी के ठेले और दो बिजली के खंभों को भी तोड़ते हुए जा घुसी। चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। थानाधिकारी उदय यादव ने बताया कि हरमाड़ा थाने के सामने नानकी और उसका भतीजा मुकेश बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान पैर में दर्द होने के कारण नानकी की बहन पीछे-पीछे पैदल आ रही थी। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे टोडी मोड़ की ओर से पत्थरों से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली आई। सामने आ रही एक कार को बचाने के प्रयास में चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे खड़ी नानकी और उसके भतीजे मुकेश को जोरदार टक्कर मारते हुए एक बाइक और पतासी के ठेले को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद वाहन दो बिजली के पोल तोड़ते हुए जाकर रुका। हादसे में नींदड़ मोड़ निवासी नानकी देवी (60) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मुकेश सैन (28) गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जयपुर में 42.87 लाख मतदाता

जयपुर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में 27 अक्टूबर 2025 को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। इसके अंतर्गत 4 नवंबर से 11 दिसंबर 2025 तक गणना चरण सम्पन्न हुआ तथा 16 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। जयपुर जिले में उस समय कुल मतदाताओं की संख्या 42 लाख 87 हजार 103 थी। आयोग के कार्यक्रमानुसार 16 दिसंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक दावे-आपत्तियाँ प्राप्त की गईं। इस अवधि में जयपुर जिले में कुल 1 लाख 57 हजार 431 फॉर्म-6/6, 21,436 फॉर्म-7 तथा 47,834 फॉर्म-8 प्राप्त हुए। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों की।

राजस्थान में 'होमस्टे योजना-2026' लागू

पर्यटन और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा मिलेगा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' और 'ईज ऑफ लिविंग' की अवधारणा को जमीनी स्तर पर लागू करते हुए पर्यटन क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत प्रदेश में 'राजस्थान होमस्टे (पेइंग गेस्ट हाउस) योजना-2026' को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यटन) प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के विजन के अनुरूप यह योजना पर्यटन विकास, ग्रामीण आय में वृद्धि और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के डिरेगुलेशन 2.0 उपायों और 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' की भावना के अनुरूप योजना को सरलीकृत किया गया है।

योजना के तहत होमस्टे खोलने की प्रक्रिया को पहले की तुलना में अधिक सरल, तेज और किफायती बनाया गया है। अब सिंगल-विंडो सिस्टम, कम दस्तावेज और आसान पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध होगी। पहले जहां कई विभागों की अनुमति और अधिक कागजी कार्यवाही करनी पड़ती थी, अब लाइसेंस प्रक्रिया को कम कर डिजिटल और समयबद्ध स्वीकृति की व्यवस्था की गई है।

नई व्यवस्था के अनुसार राज्य के निवासी अपने घर या संपत्ति के कुछ कमरों को पर्यटकों के ठहरने के लिए उपलब्ध करा सकेंगे। इससे छोटे निवेशक, ग्रामीण परिवार और महिला उद्यमी सीधे पर्यटन गतिविधियों से जुड़ सकेंगे। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय लोगों को अतिरिक्त आय का स्त्रोत मिलेगा और पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति और जीवनशैली का अनुभव मिलेगा।

योजना के तहत प्रति आवासीय इकाई अनुमत कमरों की अधिकतम संख्या पांच से बढ़ाकर आठ कर दी गई है, जबकि अधिकतम 24 बेड की अनुमति होगी। इससे आवास क्षमता बढ़ेगी, लेकिन होमस्टे का पारिवारिक स्वरूप भी सुरक्षित रहेगा।

पूर्व में लागू वह शर्त, जिसके तहत संपत्ति स्वामी या परिवार के सदस्य का उसी परिसर में निवास अनिवार्य था, अब समाप्त कर दी गई है। अब संचालन संपत्ति स्वामी, लीजधारी या निर्धारित मानकों के अनुसार नियुक्त केयरटेकर द्वारा किया जा सकेगा।

पंजीकरण प्रक्रिया को शीघ्र ही पूर्णतः ऑनलाइन किया जाएगा। आवेदन मिलने के सात कार्य दिवस के भीतर अस्थायी पंजीकरण जारी किया जाएगा, जिससे संचालन प्रारंभ किया जा सकेगा। तीन माह के भीतर निरीक्षण के बाद स्थायी पंजीकरण प्रदान किया जाएगा, जिसकी वैधता दो वर्ष होगी। यदि निर्धारित समय में प्रमाणपत्र जारी नहीं होता है, तो आवेदन स्वतः पंजीकृत माना जाएगा।

पंजीकरण पर्यटन विभाग के स्थानीय कार्यालयों और पर्यटक स्वागत केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकेन्द्रीकृत क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा। योजना के अनुसार प्रत्येक होमस्टे रिहायशी परिसर में संचालित होगा और प्रत्येक किराये के कमरे में अटैच बाथरूम, स्वच्छता, जल एवं विद्युत आपूर्ति, वेंटिलेशन और अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य होगा। विदेशी पर्यटकों की सूचना संबंधित प्राधिकरण को देना और अतिथि पंजिका का सात वर्ष तक संधारण भी आवश्यक होगा।

हथियार लेकर घूम रहे स्कोर्पियो सवार दो बदमाश पकड़े

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने बस्सी थाना इलाके में ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो में हथियार तस्करी करने की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सीएसटी ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो देसी कट्टा, 10 कारतूस व 2 खाली कारतूस बरामद किए है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि बस्सी थाना इलाके में दो बदमाश स्कॉर्पियो में अवैध हथियार की सप्लाई करने की फिराक में घुम रहे है। सूचना के बाद सीएसटी ने बस्सी में नाकाबंदी की। नाकाबंदी में स्कॉर्पियो की तलाशी लेने पर उसमें से दो देसी कट्टा, 10 कारतूस व 2 खाली कारतूस बरामद हुए। साथ ही पुलिस टीम ने आरोपित अनिल कुमार उर्फ सुखा (21) निवासी दादनपुरा धौलपुर और लोकेश उर्फ निवासी अखैपुरा को दबोच लिया।

डिफाल्टर बिल्डर के ऋण की वसूली पूर्व में आवंटित फ्लैट्स से नहीं कर सकते : रेरा

■ **रेरा की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने यह आदेश आवंटियों की संस्था एवलोन रॉयल पार्क होम बायर्स एसोसिएशन के प्रार्थना पत्र पर दिया।**

जयपुर (कासं)। रेरा ने एक फैसले में कहा कि लोन से पूर्व आवंटित फ्लेट्स से डिफाल्टर बिल्डर के लोन की वसूली नहीं की जा सकती। इसके साथ बिल्डर कम्पनी के खिलाफ दिवालिया कानून में कार्रवाई के चलने के दौरान भी रेरा बिल्डर कंपनी के निदेशकों व भू-स्वामी के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। रेरा की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने यह आदेश आवंटियों की संस्था एवलोन रॉयल पार्क होम बायर्स एसोसिएशन के प्रार्थना पत्र पर दिया।

रेरा ने माना कि जमीन मालिक, बिल्डर के साथ प्रोजेक्ट की शुरूआत से ही सहभागी रहे हैं, उसने बिल्डर की ओर से प्राप्त राशि में से अंश राशि भी ली है। एनसीएलटी में दिवालिया कानून के तहत कार्रवाई शुरू होने पर बिल्डर कंपनी ने रेरा में आवंटियों की कार्रवाई को खत्म करने का प्रार्थना पत्र लगाया था। वहीं आवंटियों की ओर से अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने कहा कि कहा कि बिल्डर ने उनसे करोडों रुपए लेने के बाद भी प्रोजेक्ट पूरा नहीं किया और उसने इस राशि को खुर्द-बुर्द कर दिया।

वहीं वित्तीय कंपनी ईसीएल से मिलीभगत कर पूरी इमारत को लोन के लिए गिरवी रख दी। आवंटियों को 12 साल बाद भी न तो फ्लैट का कब्जा मिला है और न ही उनके पैसे वापस किए। इसलिए बिल्डर का प्रार्थना पत्र खारिज करें। दरअसल बिल्डर कम्पनी मैसर्स जीआरजे डिस्ट्रीब्यूटर्स व डवलपर्स ने साल 2012 में भिवाडी में एवलोन रॉयल पार्क आवासीय प्रोजेक्ट का काम शुरू किया। इसमें 1200 से ज्यादा फ्लैट्स बनने थे और निर्माण 2017 तक होना था। बिल्डर ने 700 से ज्यादा फ्लैट्स का बेचान 2012 से 2016 के दौरान आवंटियों को किया। वहीं आवंटियों से करीब 300 करोड रुपए लेकर भी पूरा प्रोजेक्ट विकसित नहीं किया। इसके बाद साल 2018 में बिल्डर ने पूरे प्रोजेक्ट को ही ईसीएल फाइनेंस को 50 करोड रुपए में गिरवी रख दिया। जिस पर ईसीएल की ओर से इनवेन्ट एसिट नाम की कम्पनी ने एनसीएलटी में लोन की वसूली की याचिका दायर की।

पतंजलि विश्वविद्यालय में "योगधर्म से युगधर्म" थीम पर वार्षिकोत्सव

पतंजलि विश्वविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक एवं शैक्षिणक महोत्सव "अभ्युदय 2026" का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

हरिद्वार (कासं)। हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक एवं शैक्षिणक महोत्सव "अभ्युदय 2026" का आयोजन अत्यंत गरिमा, आध्यात्मिक उल्लास और राष्ट्रगौरव के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन प्राचीन गुरुकुल परंपरा और आधुनिक शिक्षा के सजीव समन्वय का प्रतीक बनकर उभरा। इस वर्ष अभ्युदय कार्यक्रम की थीम "योगधर्म से युगधर्म" रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पतंजलि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने "योगधर्म से युगधर्म" नाट्य प्रस्तुति से अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी विद्यार्थियों को पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब उस पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हैं जो पूरी दुनिया का संस्कृति का सबसे बड़ा केंद्र है। आप सभी इस ऋषि संस्कृति के ध्वजवाहक बनकर इस अनुष्ठान को आगे बढ़ा रहे है। नाट्य प्रस्तुति देखकर उन्होंने कहा कि आज एक षड्यंत्र के तहत विश्वगुरु भारत को लेकर कई भ्रामक रील्स चल रही हैं, लेकिन भारत विश्वगुरु था, है और हमेशा विश्वगुरु रहेगा। वो शक्ति, शौर्य, वीरता, पराक्रम और हृदय की विकल्ता कि विकल्प रहित संकल्प, अखण्ड-प्रचण्ड पुरुषार्थ, बड़ी सोच, कडी मेहनत और पक्के इरादे के साथ चरैवेति-चरैवेति हम आगे बढ़ेंगे और भारत को इसका खोया हुआ गौरव दिलाकर रहेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परमार्थ आश्रम, ऋषिकेश के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानन्द मुनि महाराज ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय एक अद्वितीय साधना-स्थली है। योग केवल वैश्विक लोकप्रियता का विषय नहीं है, यह राष्ट्र निर्माण का आधार है। पतंजलि विश्वविद्यालय एक संकल्प है जिसमें स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण महाराज का तप निहित है। यह तो अभी शुरूआत है, यह यात्रा बहुत लम्बी चलेगी। आध्यात्मिक मार्गदर्शिका साध्वी भगवती सरस्वती, विशिष्ट अतिथि संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. बृजभूषण ओझा और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. श्रीनिवास वरखेड़ी ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे। कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने नाट्य प्रस्तुति के सफल आयोजन के लिए साध्वी देवप्रिया का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्य वक्ता के रूप में सनातन संस्कृति के उद्घोषक महामण्डलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद ने कहा कि इन दोनों महापुरुषों ने योग-आयुर्वेद को विश्व पटल पर पहुँचाया। कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय की कुलानुशासिका एवं मानविकी संकायाध्यक्षा साध्वी देवप्रिया, स्वामी एम. लाल महाराज, परमार्थ निकेतन ऋषिकेश से आध्यात्मिक मार्गदर्शिका साध्वी भगवती सरस्वती, आचार्यकुलम् की उपाध्यक्षा बहन ऋतम्भरा, पतंजलि क्रय समिति की अध्यक्षा बहन अंशुल, संप्रेषण विभागाध्यक्षा बहन पारूल, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय की डीन डॉ. शिवानी, लाल महाराज, कुलपति डॉ. दिनेश शास्त्री, आई.ए.एस. प्रशांत राय, प्रति कुलपति डॉ. मयंक अग्रवाल, पतंजलि योग समिति के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी भाई राकेश कुमार एवं स्वामी परमार्थ देव, हरियाणा योग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य, मुख्य महाप्रबंधक ब्रिगेडियर टी.सी. मल्होत्रा, पतंजलि अनुसंधान संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, आचार्यकुलम् की प्राचार्या डॉ. स्वाति, पतंजलि हर्बल डिविजन की विभागाध्यक्षा डॉ. वेदप्रिया आर्य, ओडीएल निदेशक डॉ. सत्येन्द्र मित्तल उपस्थित रहे।

चारागाह जमीन आवंटन पर 400 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप

केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने सदन में कहा कि "पिछली कांग्रेस सरकार में बीसलपुर विस्थापितों को मुआवजे के नाम पर चारागाह भूमि आवंटित की गई, लेकिन बाद में वही जमीन कांग्रेस नेताओं के चहेतों के नाम कर दी गई।"

■ **गौत्तम ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के करीबियों के नाम 400 से अधिक रजिस्ट्रियां की गई और तबादले के बाद तहसीलदार ने रात में कार्यालय खोलकर रजिस्ट्रियां कीं। इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।"**

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के केकड़ी से विधायक शत्रुघ्न गौतम ने पिछली कांग्रेस सरकार पर चारागाह जमीन के गलत आवंटन के जरिए 400 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। विधानसभा में शनिवार को उन्होंने कहा कि बीसलपुर विस्थापितों को मुआवजे के नाम पर चारागाह भूमि आवंटित की गई, लेकिन बाद में वही जमीन कांग्रेस नेताओं के चहेतों के नाम कर दी गई। गौतम ने आरोप लगाया कि ग्रामीणों ने इसका विरोध किया, लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई।

उन्होंने कहा कि चारागाह की जमीन नियमों के तहत दी ही नहीं जा सकती थी, फिर भी मुआवजे के नाम पर उसका आवंटन किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया को तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ड्रॉप कर दिया। विधायक गौतम ने केकड़ी क्षेत्र में बाइपास निर्माण को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान बाइपास को इस तरह घुमाया गया कि जिन स्थानों पर कांग्रेस नेताओं की जमीनें थीं, वहां से मार्ग निकाला गया।

उनके अनुसार, कांग्रेस नेताओं के करीबियों के नाम 400 से अधिक रजिस्ट्रियां की गईं और तबादले के बाद तहसीलदार ने रात में कार्यालय खोलकर रजिस्ट्रियां कीं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

'पेपरलीक व भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी की सी.बी.आई. जांच हो'

भारतीय आदिवासी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा में नारेबाजी कर पोस्टर लहराए

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । विधानसभा में राजस्व की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायकों ने सदन में नारेबाजी की और पोस्टर लगाए। बीएपी विधायकों ने पेपरलीक और भर्ती परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग की। बीएपी विधायकों ने सीबीआई जांच की मांग वाली टीशर्ट पहन रखी थी।

बीएपी विधायकों ने बेरोगजारों को न्याय दिलाने और सीबीआई जांच की मांग को लेकर नारेबाजी की। नारेबाजी कर रहे बीएपी विधायकों से कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि मेरे साढू डोटासराजी को सुनाओ। साढू बहरे हो गए, इन्हें सुनाई नहीं दे रहा। कुछ देर नारेबाजी के बाद माहौल शांत हो गया।

इससे पहले बीएपी विधायक थावरचंद ने कहा कि यहां पर मंत्री डॉ. किरोडीलाल बैठे हैं। इन्होंने कांग्रेस राज में खूब धरने दिए। आपने बेरोजगारों को न्याय का भरेसा दिया था। आपकी सरकार आने पर आपसे उम्मीद थी कि बेरोजगारों से अन्याय करने वाले चोरों को जेल भेजेंगे, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। पेपरलीक और भर्ती परीक्षाओं में धांधली की सीबीआई जांच होनी चाहिए। बहस के बाद राजस्व विभाग की अनुदान मांगें पारित कर दी गई।